खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों की हिन्दी भाषा में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) काव्यशास्त्रविनोदेन कालो गच्छति धीमताम्।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा॥

(ख) प्राणा यथात्मनोऽभीष्टा भूतानामपि ते तथा।
आत्मौपम्येन भूतेषु दयां कुर्वन्ति साधवः॥

(ग) ईर्ष्यी घृणी त्वसन्तुष्टः क्रोधनो नित्यशंकितः।
परभाग्योपजीवी च षडेते दुःखभागिनः॥

(घ) यत्र विद्वज्जनो नास्ति श्लाघ्यस्तत्राल्पधीरपि।
निरस्तपादपे देशे एरण्डोऽपि द्रुमायते॥

11. नाटककार भास का जीवन परिचय देते हुए उनकी किन्हीं **तीन** रचनाओं का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

12. नाटक के रूप में 'स्वप्नवासवदत्तम्' की समीक्षा कीजिए।

13. नीतिकथा-साहित्य के विकासक्रम पर लेख लिखिए।

SA–01

June – Examination 2024

B.A. (Part I) Examination

SANSKRIT

(Natak, Katha-Sahitya, Chhand Evam Alankar)

नाटक, कथा-साहित्य, छन्द एवं अलंकार

Paper : SA-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) नाटक में गीत किस वेद से ग्रहण किया गया है ?
(ii) उदयन की वीणा का नाम क्या था ?
(iii) पद्मावती किस राज्य की राजकुमारी थी ?
(iv) उदयन के शत्रु का नाम बताइए।

(v) हितोपदेश की रचना का मुख्य प्रयोजन क्या है ?

(vi) छन्दशास्त्र में पाद किसे कहा गया है ?

(vii) "काव्यशोभाकरान् धर्मानलंकारान् प्रचक्षते" यह उक्ति किस आचार्य की है ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्य की हिन्दी भाषा में सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

पद्मावती नरपतेर्महिषी भवित्री

दृष्टा विपत्तिरथ यैः प्रथमं प्रदिष्टा।

तत्प्रत्ययात् कृतमिदं न हि सिद्धवाक्या—

न्युत्क्रम्य गच्छति विधिः सुपरीक्षितानि॥

अथवा

ऋज्वायतां च विरलां च नतोन्नतां च

सप्तर्षिवंशकुटिलां च निवर्तनेषु।

निर्मुच्यमान भुजगोदरनिर्मलस्य

सीमामिवाम्बरतलस्य विभज्यमानाम्॥

3. स्वप्नवासवदत्तम् के नायक उदयन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. संस्कृत नाटक की किन्हीं **चार** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

5. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के नामकरण की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

6. धूर्त शृगाल (गीदड़) और कर्पूरतिलक नामक हस्ती (हाथी) की कथा का सारांश लिखकर उससे मिलने वाली शिक्षा लिखिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की हिन्दी भाषा में व्याख्या कीजिए—

(क) अकरुणाः खल्वीश्वराः।

(ख) दुःखं त्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः।

(ग) साक्षिमन्न्यासो निर्यातयितव्यः

(घ) कर्तारः सुलभा लोके विज्ञातारस्तु दुर्लभाः।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों के लक्षण और उदाहरण लिखिए—

(क) अनुष्टुप्

(ख) वंशस्थ

(ग) वसन्ततिलका

(घ) हरिणी

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों के लक्षण और उदाहरण लिखिए :

(क) यमकम्

(ख) उपमा

(ग) भ्रान्तिमान्

(घ) दीपकम्